गजानंद गजमुख गणराज | by Vicky Sandhu

गजानंद कोई गजमुख कहता कोई कहे गणराज
सिद्धि विनायक विघ्न को हरते, पूरण करते काज
आपकी गणपत जी हम करें वंदना आज
आपकी गणपत जी हम करें वंदना आज

गौरी नंदन शिव के लाडले कार्तिके के भ्राता
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे, मुंह माँगा फल पाता
अपने भगत के संकट हरते रखते सदा ही लाज
आपकी गणपत जी हम करें वंदना आज

भादो शुक्ल चतुर्थी इनका उत्सव आवे भारी
भक्तों के घर घर में आती गणपति जी की सवारी
नृत्य गायन से स्वागत होता बजते अनेको साज
आपकी गणपत जी हम करें वंदना आज

मोदक गुड़ हलके पुष्प और दूर्वा इनको प्यारी
प्रथम पूज करते हैं देखो मूसे की असवारी
दीपक करे विनंती दर्शन दो गणपति महाराज
आपकी गणपत जी हम करें वंदना आज

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%82%e0%a4%a6-%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%96-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%9c-by-vicky-sandhu/